भाकृअनुप - केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

मई 2026 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

- यदि धान की फसल दूध भरण की अवस्था में हैं, तो गंधी बग और इल्लियों के संक्रमण की संभावना हो सकती है। जब गंधी बग कीटें की संख्या (2 बग/पूंजा) से अधिक हो जाती है तो इमिडाक्लोप्रिड 6% + लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 4% एसएल 300 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। इल्लियों के संक्रमण के मामले में, क्विनालफॉस 25ईसी 400 मिली/एकड़ की दर से या क्लोरपाइरीफॉस 20ईसी 500 मिली/एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।
- बीज के लिए, फसल में फूल लगने के समय पर अन्य जाति के पौधों आदि को खेत से हटा देना चाहिए।
- धान के दानों के बिखरने से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए धान की फसल में बालियां जब 80-85% तक पक जाए तब फसल काट लें।
- धान के दानों में नमी की मात्रा को भंडारण से पहले 1-2 दिनों के लिए धूप में सुखाकर 14% तक नमी को कम करना चाहिए।
- धान / चावल के सुरक्षित भंडारण के लिए, 'सुपर ग्रेन बैग 'का उपयोग करें जो चावल की गुणवत्ता, बनावट, रंग, सुगंध और स्वाद को लंबे समय तक बनाए रखने में सहायक है।
- भंडारित अनाजों में संक्रमण दिखाई देने के तुरंत बाद, एल्यूमीनियम फॉस्फाइड की 3 टिकियां / टन अनाज (कुल 9 ग्राम) टिकियां दर से उपयोग करके अच्छी तरह से हवाबंद कंटेनरों में धूमक दें (आवास घरों में उपयोग न करें) या बिना जगह छोड़े अनाज की बोरियों को मोटी तिरपाल से ढक दें। टिकिया को ढेरों में रखने से पहले कपास के पाउच में लपेटा जाना चाहिए, जो धूमन को पूरा करने के बाद अवशेष को हटाने में मदद करता है। गैस का रिसाव रोकने के लिए प्लास्टिक कवर के सभी कोनों को मिट्टी / रेत /

चिपकने वाली टेप की 6 इंच मोटी परत के साथ प्लास्टर किया जाना चाहिए। बेहतर परिणाम के लिए लगभग 7-10 दिनों की बिना ढके हुए रखें।

- यदि चूहों की समस्या दिखाई दे, तो फसल के खेत और आस-पास के क्षेत्रों में चूहों के बिल का पता लगाएँ। हर बिल में एल्युमिनियम फॉस्फाइड 6% की एक गोली (12 ग्राम) डालें और बिल को मिट्टी से बंद कर दें; इससे चूहे मर जाएँगे।
- मिट्टी में छिपे कीटों, खरपतवारों और रोग फैलाने वाले तत्वों को धूप दिखाने के लिए गहरी जुताई करें। मॉनसून के दौरान बारिश के पानी को बचाने के लिए खेत की मेड़ों की मरम्मत करें और उन्हें मज़बूत बनाएँ। संतुलित खाद के इस्तेमाल के लिए मिट्टी की जाँच करवाएँ। जहाँ भी संभव हो, जून के महीने में धान के खेतों की मेड़ों पर अरहर की बुवाई की जा सकती है।
- चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में ग्रीष्मकालीन वर्षा हो चुकी है, इसलिए भूमि की तैयारी ऊपरीभूमि और वर्षा आधारित निचली क्षेत्रों में की जानी चाहिए, जहां सीधे बीज वाले धान की खेती की जानी हैं।
- धान के खेतों में मिट्टी की नमी की उपलब्धता के साथ मई के अंत या जून के पहले सप्ताह के आंरभ में जुताई शुरू करें।
- निम्नलिखित अधिक उपज देने वाली बीज किस्में अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, ब्लॉक कार्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित फार्मों जैसे विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त की जा सकती हैं।

निचली भूमि एवं गहरा जल	ऊपरीभूमि एवं ऐरोबिक धान	मध्यवर्ती एवं प्रतिरोपित धान	बाढ़ प्रवण एवं उथली निचलीभूमि प्रतिरोपित धान	तटीय लवणीय क्षेत्र	सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि
सीआर धान 501 सीआर धान 502 सीआर धान 503 सीआर धान 500 सीआर धान 505 सीआर धान 507 सीआर धान 508 सीआर धान 510	सीआर धान 100 सीआर धान 102 सीआर धान 108 सीआर धान 203 सीआर धान	सीआर धान 307 सीआर धान 310 सीआर धान 311 सीआर धान 312 सीआर धान	सीआर धान 800 सीआर धान 801 सीआर धान 802 सीआर धान 810 सीआर धान	सीआर धान 405 सीआर धान 403 सीआर धान 412 सीआर धान 414 लुणीश्री	सीआर धान 701 सीआर धान 702 सीआर धान 703 सीआर धान 706 अजय

सीआर धान 511 सीआर धान 512 दुर्गा सरला गायत्री वर्षाधान	205 सीआर धान 206 सीआर धान 207 सीआर धान 209 सीआर धान 211 सीआर धान 212 सीआर धान 214 सीआर धान 807 वंदना सहभागीधान	314 सीआर धान 315 सीआर धान 316 सीआर धान 317 सीआर धान 319 सीआर धान 321 सीआर धान 324 सीआर धान 326 सीआर धान 327 सीआर धान 329 सीआर धान 331 सीआर धान 332 सीआर धान 337 सीआर धान 804 सीआर धान 805 सीआर धान 809	811 सीआर धान 408 सीआर धान 409 सीआर धान 410 सीआर धान 411 सीआर धान 412 सीआर धान 413 सीआर धान 414 सीआर धान 416 स्वर्णा स्वर्णा सब 1 पुजा पुजा सब 1 सीआर धान 109 सब ।	लुणा बरियल	राजलक्ष्मी

- प्रतिरोपित धान में हरी खाद के लिए अच्छी गुणवत्ता वाले ढैंचा के बीजों की व्यवस्था विश्वसनीय स्रोत से की जा सकती है।
- बुआई से पहले कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी (बाविस्टिन/गोल्डस्टिन) 1.5 ग्राम प्रति किलो बीज या कप्टान 50% (कैपगोल्ड/कैप्टारा) या थिरम 75% (थिरम 75/थिरॉक्स) 3 ग्राम

प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। बीज उपचार के लिए 10 ग्राम/किलोग्राम बीज के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियों/दुकानों से जैव कारक फॉर्मूलेशन जैसे ट्राइकोडर्मा धूल का उपयोग किया जा सकता है।